<u>राज्य सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 3022

21 मार्च, 2018 को उत्तर के लिए

'सेल' के आधुनिकीकरण तथा विस्तार हेतु योजना

3022. श्री हरिवंशः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) द्वारा अपनी परियोजनाओं के आधुनिकीकरण तथा विस्तार कार्यक्रमों पर अब तक भारी धनराशि खर्च की जा चुकी है;

(ख) यदि हां, तो उन संयंत्रों के नाम क्या-क्या हैं जहां 'सेल' ने विस्तार तथा आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरू किया है; और

(ग) क्या इस प्रयास को पिछले तीन वर्षों में कोई सफलता मिली है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क) और (ख): स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने अपनी क्रूड इस्पात की क्षमता को 12.8 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से बढ़ाकर 21.4 एमटीपीए करने के लिए अपने सभी पाँच प्रमुख संयंत्रों अर्थात् भिलाई (छत्तीसगढ़), बोकारो (झारखंड), राउरकेला (ओडिशा), दुर्गापुर और बर्नपुर (पश्चिम बंगाल) तथा सेलम (तमिलनाडु) स्थित विशेष इस्पात संयंत्र में आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य शुरू किया था। जनवरी, 2018 तक आधुनिकीकरण एवं विस्तार, खान और संबंधित सस्टीनेस स्कीमों पर 67,081 करोड़ रुपये का संचयी व्यय हुआ है।

(ग): राउरकेला, इस्को बर्नपुर, दुर्गापुर, बोकारो और सेलम इस्पात संयंत्रों में आधुनिकीकरण और विस्तार योजना पूरी कर ली गई है। सेल की विस्तार योजना से क्षमता में वृद्धि होने के अतिरिक्त पुरानी प्रौद्योगिकी को हटाने, ऊर्जा बचत करने, उत्पाद मिश्रण को समृद्ध बनाने, प्रदूषण नियंत्रण करने, प्रमुख आदान सामग्रियों की उच्चतर आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए खानों एवं कैलोरीज का विकास करने, ग्राहक केन्द्रित प्रक्रियाएं अपनाने, उत्पादन की उच्चतर मात्रा के अनुसार संयंत्र में अनुरूपी अवसंरचनागत सुविधाएं उपलब्ध कराने से संबंधित सेल के संयंत्रों की आवश्यकता का पर्याप्त समाधान हो जाता है।

*****